मेरे राधारमण बिहारी मैं बलिहार जानी आं

मेरे राधा रमण बिहारी में बलिहार जानीं आं
वृंदावन बांके बिहारी में बलिहार जानीं आं
तेरी सूरत प्यारी प्यारी मैं बलिहार जानीं आं

तेरे मोर मुकुट रत्नारे, तेरे नैना बड़े कजरारे,
वन माल पितांबर धारी .. मै बिहार जानीं आं

तेरी चाल बड़ी अलबेली, तेरी हर अदा नखरेली,
राधा वर कृष्ण मुरारी .. मैं बलिहार जानीं आं

जब मुरली मधुर बजावे, होठों से रस बरसावे,
मोहनी मुस्कान तुम्हारी .. मैं बलिहार जानीं आं

तेरी मधुर मनोहर झांकी, लगे 'मधुप' बड़ी बड़भागी,
छटा तीन लोक से न्यारी .. मैं बलिहार जानीं आं

स्वर : भैया राजू कटारिया मोगा/बरसाना
संपर्क : 9 8 1 4 0 6 5 3 2 0

(सर्वाधिकार लेखक आधीन सुरक्षित। भजन में अदला बदली या शब्दों से छेड़-छाड़ करना सख्त वर्जित है)

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12060/title/mere-radharaman-bihari-main-balihar-jane-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |